

कक्षा सात के विद्यार्थियों का हिन्दी भाषा कौशलों का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
की
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि
की
आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2006-2007

शोधकर्ता
शिल्पा घोडासरा

मार्गदर्शक
श्री संजय कुमार पडागले
प्रवक्ता, शिक्षा

सह मार्गदर्शिका
डॉ. श्रद्धा तिवारी
प्रवक्ता, शिक्षा (तदर्थ)

विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(रा. शै. अनु. और प्रशि. परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

D-242

कक्षा सात के विद्यार्थियों का हिन्दी भाषा कौशलों का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
की
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि
की
आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2006-2007

शोधकर्ता
शिल्पा घोडासरा

मार्गदर्शक
श्री संजय कुमार पंडागले
प्रवक्ता, शिक्षा



सह मार्गदर्शिका
डॉ. श्रद्धा तिवारी
प्रवक्ता, शिक्षा (तदर्थ)

विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(रा. शै. अनु. और प्रशि. परिषद)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

घोषणा पत्र

मैं शिल्पा घोडासरा, छात्राँ एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) यह घोषणा करती हूँ कि- कक्षा सात के विद्यार्थियों का हिन्दी भाषा कौशलों का अध्ययन नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध - 2006-2007 में मेरे द्वारा श्री संजय कुमार पंडागले तथा डॉ. श्रद्धा तिवारी प्रवक्ता, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल के मार्गदर्शन में किया गया है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की 2006-07 की उपाधि परीक्षा के आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध के हेतु लिये गये आंकड़े एवं सूचनायें विश्वसनीय स्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 13/04/07


शोधकर्ता 13/04/07

शिल्पा घोडासरा
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)


प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शिल्पा घोडासरा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की नियमित छात्रा हैं। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघुशोध विषय प्रबंध 'कक्षा सात के विद्यार्थियों का हिन्दी भाषा कौशलों का अध्ययन' मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह लघुशोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा सन् 2006-2007 की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 13/04/07


13/4/07

मार्गदर्शक

श्री संजय कुमार पंडागले

प्रवक्ता, शिक्षा

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)


13/04/07

सह मार्गदर्शिका

डॉ. श्रद्धा तिवारी

प्रवक्ता, शिक्षा (तदर्थ)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध कक्षा सात के विद्यार्थियों का हिन्दी भाषा कौशलों का अध्ययन के सम्पन्न होने का सम्पूर्ण श्रेय श्रद्धेय श्री संजय कुमार पंडागले, तथा डॉ. श्रद्धा तिवारी, प्रवक्ता, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.), भोपाल को है। जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श, निर्देशन एवं प्रोत्साहन देकर शोध कार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध आपके द्वार शोधकार्य में आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्यपूर्ण सहयोग का प्रतिफल है जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है, अतः मैं उनकी ऋणी हूँ।

मैं परम आदरणीय प्राचार्य प्रो. ए.बी. सक्सेना, प्रो. एस.ए. शफी, अधिष्ठाता एवं शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. जी.एन.पी. श्रीवास्तव के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ जिन्होंने अनुकूल वातावरण एवं सुविधाएँ देकर कार्य सुगम बनाया। मैं डॉ. बी. रमेशबाबू, डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण, डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. के.के. खरे, एम.एड. प्रभारी, डॉ. एस.पी. मिश्रा डॉ. रत्नमाला आर्या, की सहृदय से आभारी हूँ जिन्होंने मुझे शोधकार्य की संपूर्णता में मौलिक सहयोग प्रदान किया।

शिक्षा विभाग के समस्त गुरुजनों एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों के शैक्षिक सहयोग के लिए मैं हृदय से आभारी हूँ।


मैं उन सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के शिक्षकों की हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने आंकड़ों के संकलन हेतु सहयोग प्रदान किया।

मैं अपने सभी सहपाठियों की आभारी हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से शोध कार्य करने में सहयोग दिया।

अंत में मैं अपने पूजनीय सास-ससुर, पिताजी-माताजी तथा पति श्री गोपाल कावठिया की हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने मेरे इस शोध कार्य को सफल कराने में आर्थिक स्रोत एवं ममतामयी प्रेरणा का कार्य किया और मेरे अध्ययन हेतु तन-मन-धन से सहयोग दिया।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 13/04/07


शिल्पा घोषिसरा 13/04/07
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)

अनुक्रमणिका

घोषणापत्र

प्रमाण पत्र

आभार ज्ञापन

अध्याय प्रथम

शोध परिचय	01—15
1.1.0 भूमिका	01
1.1.1 राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी भाषा का महत्व	02
1.1.2 शिक्षा में हिन्दी भाषा का महत्व	03
1.1.3 प्रारंभिक स्तर पर हिन्दी शिक्षण	05
1.1.4 द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी का महत्व	06
1.1.5 हिन्दी भाषा के कौशल	07
1.1.6 प्राथमिक स्तर पर इन कौशलों का महत्व	08
1.1.7 पठन कौशल/वाचन कौशल	09
1.1.8 लेखन कौशल	11
1.2.0 समस्या कथन	13
1.3.0 पदों व संकल्पनाओं की परिभाषा	13
1.4.0 अध्ययन की आवश्यकता	13
1.5.0 अध्ययन के उद्देश्य	13
1.6.0 शून्य परिकल्पनाएँ	14
1.7.0 सीमांकन	15

अध्याय द्वितीय

संबंधित शोध साहित्य का पुनरावलोकन	16—20
2.1.0 संबंधित साहित्य के अवलोकन का महत्व	16
2.2.0 समस्या से संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	17
2.2.1 भारत में किये गये शोध कार्य	17
2.2.2 एम.एड. स्तर पर हुए शोध कार्य	19

अध्याय तृतीय

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया	21—30
3.1.0 शोध प्रविधि	21
3.2.0 प्रयुक्त चर	21
3.3.0 न्यादर्श का चयन	22
3.4.0 उपकरण का निर्माण	23
3.5.0 परीक्षण का प्रशासन	23
3.6.0 प्रयुक्त सांख्यिकी	29

अध्याय चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	31—39
4.1.0 प्रदत्तों का विश्लेषण	31
4.1.1 परिकल्पना 1	32
4.1.2 परिकल्पना 2	33
4.1.3 परिकल्पना 3	34
4.1.4 परिकल्पना 4	35
4.1.5 परिकल्पना 5	36
4.1.6 परिकल्पना 6	37
4.1.7 परिकल्पना 7	38
4.1.8 परिकल्पना 8	39

अध्याय पंचम

शोध निष्कर्ष एवं सुझाव	40—43
5.1.0 परिणाम	40
5.2.0 निष्कर्ष	41
5.3.0 सुझाव	41
5.3.1 प्राथमिक शाला में अध्ययनरत छात्र—छात्राओं को सुझाव	41
5.3.2 प्राथमिक शाला के शिक्षकों को सुझाव	41
5.3.3 प्राथमिक शाला के छात्र—छात्राओं के पालक को सुझाव	42
5.3.4 भावी शोध हेतु सुझाव	42
5.4.0 शैक्षिक उपयोग	43

संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ट	44—45
परिशिष्ट 1	i - vii
परिशिष्ट 2	i
परिशिष्ट 3	ii
	iv